दक्षिण भारत
राष्ट्रमत

Monday, August 30th, 2010

शिक्षा जीवन निर्माण का साधन

बेंगलूर। तेरापंथ प्रोफेशनल और तेरापंथ युवक परिषद के तत्वावधान में किशोर मंडल कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुनिश्री जिनेशकुमारजी ने संबोधित करते हुए कहा कहा कि अध्ययन करने से ज्ञान मिलता है व चित्त एकाग्र होता है। शिक्षा जीवन को संवारती है तथा शिक्षा से ही व्यक्ति सत्यम् शिवम् सुन्दरम् को प्राप्त करता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा आजीविका का साधन नहीं बल्कि जीवन निर्माण का साधन है। संस्कारों की सुरक्षा से ही संस्कृति सुरक्षित रह सकती है। वह व्यक्ति ही शिक्षा व व्यवसाय में आगे जा सकता है जो सकारात्मक चिंतन रखता है।

शिक्षाविद चैनराज ने कहा शिक्षा के साथ परंपरा का भी बोध होना बहुत जरूरी है। किताबी शिक्षा ही सब कुछ नहीं होती नैतिकता की सुदृढ़ आधारशिला पर ही शिक्षा का स्तर बढ़ाया जा सकता है। नई सोच से हम शिक्षा के माध्यम से अलग-अलग क्षेत्रों में विकास कर सकते हैं।

चार्टर्ड् एकाउन्टेंट संजय धारीवाल ने कहा सम्यक शिक्षा ग्रहण करके आगे बढना चाहिए। इस दौरान परिषद के अध्यक्ष ललित मांडोत ने सभी उपस्थितों का स्वागत किया, मंत्री रमेश दक ने संचालन किया एवं किशोर मंडल के संयोजक राहुल जैन ने सभी का आभार व्यक्त किया। प्रायोजक गौत्तमचन्द रमेशकुमार सुरेशकुमार कोठारी परिवार का सम्मान परिषद् की ओर से किया गया।